

পাট ও সমবর্গীয় তন্তু ফসল চাষীদের জন্য কৃষি পরামর্শ

প্রকাশনা

ভা.কৃ.অনু.প- ক্রিজাফ, নীলগঞ্জ, ব্যারাকপুর

২০ ফেব্রুয়ারী - ৬ মার্চ, ২০২২ (সংস্করণ সংখ্যাঃ ০৪/২০২২)



भा.कृ.अ.प. -केन्द्रीय पटसन एवं समवर्गीय रेशा अनुसंधान संस्थान
ICAR-Central Research Institute for Jute and Allied Fibers

An ISO 9001: 2015 Certified Institute

Barrackpore, Kolkata-700120, West Bengal

www.icar.crijaf.gov.in



पाट ओ सहयोगी फसल उतुपादनकारी चाषिदेर जन्य कृषि-परामर्श
२० फेब्रुवारी - ७ मार्च, २०२२

I. पाट उतुपादनकारी राज्यांशुलिर एइ समयेर सञ्जाव्य आवहाओयार परिस्थिति

राज्यां/ कृषि-जलवायु अंशुल/ जेला	आवहाओयार पूर्वाभास
गांज्जेय पश्चिमबङ्ग मुर्शिदाबाद, नदिया, हुगली, हाओडा, उतुतर २४ परगना, पूर्ब बर्धमान, पश्चिम बर्धमान, दक्षिण २४ परगना, बाँकुडा, वीरभूम हिमालय सन्निहित पश्चिमबङ्ग	आगामी २१-२४ फेब्रुवारी हालका थेके माबारि वृष्टिर सञ्जावना (मोट वृष्टिर परिमाण ४५ मिलिमिटारेर मतो)। सर्वोच्च तापमात्रा २५-२९ डिग्रि एबं सर्वनिम्न तापमात्रा ११-१५ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर मतो थाकवे। आगामी २१-२४ फेब्रुवारी हालका थेके माबारि वृष्टिर सञ्जावना (मोट वृष्टिर परिमाण ५० मिलिमिटारेर मतो)। एइ अंशुले सर्वोच्च तापमात्रा १९-२३ डिग्रि एबं सर्वनिम्न तापमात्रा ७-९ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर मतो थाकवे।
आसामः मध्य ब्रह्मपुत्र उपत्यका क्षेत्र मरिगाँव, नओगाँव	आगामी २१-२४ फेब्रुवारी खुब हालका वृष्टिर सञ्जावना (मोट वृष्टिर परिमाण ७ मिलिमिटारेर मतो)। सर्वोच्च तापमात्रा २०-२३ डिग्रि एबं सर्वनिम्न तापमात्रा १०-१३ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर मतो थाकवे।
आसामः निम्न ब्रह्मपुत्र उपत्यका क्षेत्र गोयालपाडा, धुबडि, कोकडाबाड, बङ्गईगाँव, बरपेटा, नलवाडि, कामरुप, बाक्सा, चिराङ्ग	आगामी २१-२४ फेब्रुवारी हालका वृष्टिर सञ्जावना (मोट वृष्टिर परिमाण २० मिलिमिटारेर मतो)। सर्वोच्च तापमात्रा १९-२० डिग्रि एबं सर्वनिम्न तापमात्रा ११-१४ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर मतो थाकवे।
बिहारः कृषि-जलवायु अंशुल २ (उतुतर-पूर्ब अंशुल) पूरुणिया, काटिहार, सहर्ब, सुपौल, माधेपुरा, खागारिया, आरारिया, किषाणगञ्ज	आगामी २१-२४ फेब्रुवारी हालका वृष्टिर सञ्जावना (मोट वृष्टिर परिमाण १० मिलिमिटारेर मतो)। सर्वोच्च तापमात्रा १७-२३ डिग्रि एबं सर्वनिम्न तापमात्रा ९-१० डिग्रि सेन्टिग्रेडेर मतो थाकवे।
उडिष्याः उतुतर-पूर्ब तटीय समभूमि बालेश्वर, भद्रक, जाजपुर	आगामी २१-२४ फेब्रुवारी माबारि वृष्टिर सञ्जावना (मोट वृष्टिर परिमाण ३० मिलिमिटारेर मतो)। सर्वोच्च तापमात्रा २५-२९ डिग्रि एबं सर्वनिम्न तापमात्रा १३-१७ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर मतो थाकवे।
उडिष्याः उतुतर-पूर्ब ओ दक्षिण-पूर्ब समतल अंशुल केन्द्रपाडा, खुर्दा, जगत्सिंहपुर, पूरुी, नयागड, कटक (आंशिक) एबं गञ्जाम (आंशिक)	आगामी २१-२४ फेब्रुवारी हालका वृष्टिर सञ्जावना (मोट वृष्टिर परिमाण ३० मिलिमिटारेर मतो)। सर्वोच्च तापमात्रा २७-२९ डिग्रि एबं सर्वनिम्न तापमात्रा १३-१५ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर मतो थाकवे।

तथ्य सूत्रः भारतीय आवहाओया विभाग (<https://mausam.imd.gov.in> एबं www.weather.com)

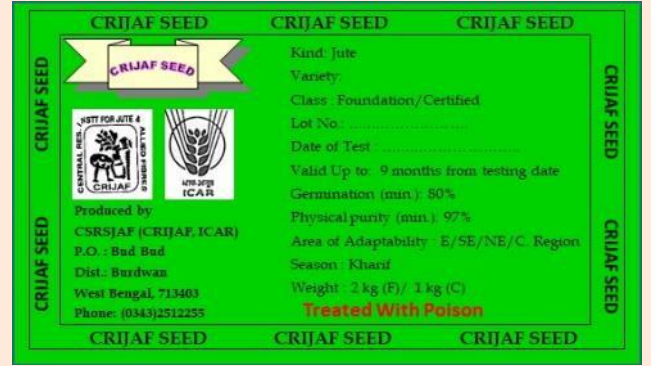
II. सहयोगी फसलेर जन्य कृषि परामर्श

पश्चिमबङ्गे पाटबीज फसलेर जन्य कृषि परामर्श

- **पश्चिमबङ्गेर पाटबीज फसलेर अखण्ड** - पुरूलिया, बाँकुड़ा, पश्चिम मेदिनिपुरेर पश्चिमाखण्ड एवं वीरभूम।
- उँचु जमिटे येखाने जुलाई मासेर द्वितीय पक्षे पाटबीज लागानो हयेछिल एवं माबारि जमिटे, येखाने आगस्ट ओ सेप्टेम्बर मासेर प्रथम सप्ताहे बीज लागानो हयेछिल, दुँक्षेत्रेई फसल काटा, माडाई ओ परिष्कार करते हवे। बीजेर निर्दिष्ट परिचय याटे संरक्षित हय सेदिके नजर दिटे हवे।
- ईदुरेर आक्रमण थेके बीज बाँचाटे जिङ्क फस्फाइड, ब्रोमाडिओलोन, ओयारफारिन एवं स्ट्रिचनिन प्रयोग करते हवे। परवती पाट तन्तु फसल लागानोर अनेक आगेई पाट बीज विक्रेयेर परिकल्पना करते हवे।
- बीज विक्रेयकारी संस्धार काहे १० मार्चेर मध्ये बीज पोँछे दिटे हवे। याटे चाषिरा १५ मार्चेर पर थेके असमये फुल आसा प्रतिरोधी जातेर पाट बीज लागाने पारेन। ये सब पाटबीज चाषिरा बीज शंसितकरण करियेछेन, तारा कुईन्ट्याल प्रति ५,००० टाका भर्तुकिर जन्य NFSM वा अन्य केन्द्रीय संस्धार काहे, राज्जेर बीज शंसितकारी आधिकारिकेर माध्यमे आबेदन करते पारेन।



(क) बीज प्रक्रियाकरण



(ख) बीज प्याकेटेर नमुना

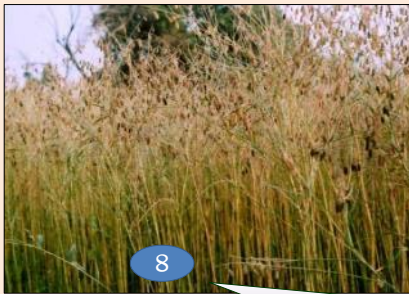


पाट बीज फसल

খ) শণপাট

শণপাট বীজ ফসলের জন্য করণীয়

- ❖ লাগানোর ১২০-১৪০ দিন পর যখন শুকনো বীজ নাড়ালে শব্দ হবে, তখন কাস্তে দিয়ে বীজ ফসল কাটতে হবে। কাটার পরে ট্রাক্টর দিয়ে বা শক্ত মেঝেতে পিটিয়ে বীজ বের করতে হবে।
- ❖ ঝাড়াই ও হাওয়া দিয়ে পরিষ্কার করার পর বীজ গুদামজাত করার আগে দেখতে হবে যাতে বীজে রসের পরিমাণ শতকরা ১০ ভাগের বেশি হবে না।
- ❖ বীজ শুকনো ও ঠান্ডা জায়গায় রাখতে হবে।



(১) শনপাট বীজ মাড়াই; (২) হাওয়া দিয়ে বীজ ঝাড়াই; (৩) শঁট ছিদ্রকারী কীট থেকে বাঁচতে স্প্রে করা; (৪) বীজ ফসল কাটার অবস্থায়, (৫) ভাইরাস/ পলিপ্লাসমা রোগাক্রান্ত - এই সব গাছ তুলে নষ্ট করে ফেলতে হবে



(ग) फ्लाक्क
(तस्तु मसिना)



भूमिका: फ्लाक्क वा तस्तु मसिनार (लिनान्त्रा *उसिटागटिसिमाम* एल.) आँश हालका हलदे रण्येर, १० शतांश सेलुलोज समुद्र, ताप रोधी, अ्यालार्जि ह्य ना, शरीरे स्थिर तडिं उंपादन करे ना ओ व्याकटिरियार वृद्धि ते बाधा देय। एइ तस्तु चाबेर जन्य ५०-१०० डिग्रि फारेनहाईट तापमात्रा, बेशि वृष्टि ओ तुवारपात ना हओया दोयास माटि अण्णल निर्वाचित करा प्रयोजन। एमन आदर्श आवहाओया ओ माटि - हिमालय समिहित अण्णलेर जन्मु ओ काशीर, हिमाचल प्रदेश, उंतराखण्ड, उंतर प्रदेशेर उंतराखण्ड, पश्चिमबन्देशेर उंतराखण्ड ओ पूर्व-भारतेर बेश कयेकटि राज्ये पाओया यय। भारतेर एइ सब अण्णले फ्लाक्क चाबेर आदर्श माटि ओ जलवायु थाका स्रत्वेओ, फ्लाक्क चाब विशेष प्रसार लाभ करेनि। एर प्रधान कारणगुलि हल - निर्दिष्ट अण्णलेर जन्य उच्च-फलनशील जात ओ विज्जनसन्मत उंपादन प्रयुक्तिर अभाव।

- ❖ वर्तमाने एइ फसल फुल अवस्थाय आछे। माटि शुकिये गेले हालका जल सेच देबेन।
- ❖ किछु अण्णले कनडलडुलास आरडेनसिस नामेर आगाछा हते पारे। एइ आगाछा थाकले ता तुले फेले नष्ट करे दिते हबे।
- ❖ ये सब चाबिरा नडेन्शेर माकामाबि फसल लागियेछेन, तारा गोडा पचा वा फुजरियाम घटित दले पडा रोग विषये सतर्क थाकबेन। यदि बेशि आक्रमण लक्ष्य करा यय, तबे कार्बेन्डाजिम ओ म्यानकोजेब २ ग्राम प्रति लिटर जले मिशिये प्रयोग करते हबे याते छत्राकेर आक्रमन ना हय।



गोडा पचा वा फुजरियाम घटित दले पडा रोग

हालका जलसेच देओया



कनडलडुलास आरडेनसिसेर (आगाछा) आक्रमन



७०-७५ दिन ओ १०० दिन बयसेर गाछ



ख) सिसाल

भूमिका: सिसाल (एगोड सिसालाना) प्राय-वहवर्षजीवी पाता থেকে तন্ত উৎপাদনকারী মরুজাতীয় উদ্ভিদ। সিসালের তন্ত থেকে তৈরী দড়ি বিভিন্ন ধরনের জলযান (জাহাজ, লঞ্চ, বড় নৌকা ইত্যাদি) বাঁধার কাজে ব্যবহৃত হয়। ব্রাজিল সিসাল তন্ত উৎপাদনে ও রপ্তানিতে প্রথম স্থান অধিকার করে, আর চীন সব থেকে বেশি সিসাল আমদানি করে। ভারতের উড়িষ্যা, তেলঙ্গানা, কর্ণাটক, মহারাষ্ট্র ও পশ্চিমবঙ্গের মরুপ্রায় অঞ্চলে সিসাল চাষ হয়ে থাকে। ভারতে সিসালের মোট জমির পরিমাণ প্রায় ৭৭৭০ হেক্টর, যার মধ্যে ৪৮১৬ হেক্টর সিসাল, মাটি ও জল সংরক্ষণের জন্য ব্যবহৃত হয়। ভারতে সিসালের হেক্টর প্রতি গড় উৎপাদন অনেকটাই কম (৬০০-৮০০ কেজি), তবে সঠিক পদ্ধতি অনুসরণ করে চাষ করতে পারলে হেক্টর প্রতি উৎপাদন অনেকটাই বাড়ানো সম্ভব (২০০০-২৫০০ কেজি)। এই ফসলে জলের প্রয়োজন অনেক কম এবং মধ্যভারতের মালভূমি অঞ্চলের মাটি ও আবহাওয়া (সর্বোচ্চ তাপমাত্রা ৪০-৪৫ ডিগ্রি, বৃষ্টিপাত ৬০-১০০ সেমি) সিসালের জন্য উপযোগী, ও গ্রামীণ অঞ্চলের আর্থিক ও সামাজিক উন্নয়ণে বিশেষ সহায়ক হতে পারে। সিসাল চাষ এই অঞ্চলের উপজাতি মানুষদের জীবিকা সরাসরি ও কর্মসংস্থানের মাধ্যমে উন্নয়ণ করতে পারে। এছাড়াও সিসাল বৃষ্টির জলের বয়ে যাওয়া অপচয় ৩৫ শতাংশ ও ভূমিক্ষয় ৬২ শতাংশ কম করতে সক্ষম।

বুলবিল সংগ্রহ: সিসাল গাছের ফুলের দন্ড (যাকে পোল বলা হয়) বের হবার পর সিসালের বৃদ্ধি বন্ধ হয়ে যায়। প্রত্যেকটি পোলে প্রায় ২০০-৫০০ টি ছোট ছোট বুলবিল হয়, এদের প্রত্যেকটিতে ৪-৬ টি ক্ষুদ্র পাতা থাকে। এই বুলবিলগুলি সংগ্রহ করে প্রাথমিক নার্সারিতে লাগানো হয়।

প্রাথমিক নার্সারির প্রস্তুতি: সংগৃহীত বুলবিলগুলি অতি যত্নের সঙ্গে প্রাথমিক নার্সারিতে লাগানো হয়। এই নার্সারির ১ মিটার চওড়া কিছুটা উঁচু করা জমিতে, বুলবিলগুলি ১০-৭ সেমি. দূরে দূরে লাগানো হয়। নার্সারির জমির মাটিতে খামার সারের পাশাপাশি রাসায়নিক সার এনএপিএক - ৩০ঃ১৫ঃ৩০ কিলো প্রতি হেক্টরে হিসাবে প্রয়োগ করতে হবে। বুলবিলগুলি প্রথম দিকে আগাছার সঙ্গে প্রতিযোগিতায় পেলে ওঠে না, এবং জলের অভাব হতে পারে, তাই আগাছা দমন করতে হবে ও প্রয়োজনে জল সেচের ও অতিরিক্ত জল নিকাশির ব্যবস্থা করতে হবে।

মাধ্যমিক নার্সারির পরিচর্যা

➤ নার্সারির জল নিকাশি ব্যবস্থা করবেন ও নার্সারি আগাছা মুক্ত রাখবেন। সুস্থ সাকার পাবার জন্য মেটালাক্সিল ২৫ শতাংশ এবং ম্যানকোজেব ৭২ শতাংশ মিশ্রণ ০.২৫ শতাংশ হারে স্প্রে করে অন্তরবর্তী পরিচর্যা করতে হবে। উদ্ভিদ খাদ্যোপাদান যোগান ও আগাছা দমনের জন্য সিসাল কম্পোষ্ট ব্যবহার করা যেতে পারে। যে সব চাষীদের মাধ্যমিক নার্সারি তৈরী বাকি আছে, তারা প্রাথমিক নার্সারিতে বড় করা বুলবিল, মাধ্যমিক নার্সারিতে ৫০-২৫ সেমি দূরত্বে লাগাবেন। বুলবিল লাগানোর আগে পুরানো পাতা ও শিকড় কেটে বাদ দিয়ে ২০ মিনিট ম্যানকোজেব (৬৪ শতাংশ) ও মেটালাক্সিল (৮ শতাংশ) মিশ্রণ ২.৫ গ্রাম প্রতি লিটার জলে মিশিয়ে প্রয়োগ করতে হবে। এক হেক্টর নার্সারিতে ৮০,০০০ সাকার লাগানো যায় তবে শেষ পর্যন্ত ৭২,০০০-৭৬,০০০ সাকার বাঁচে। ধরে নেওয়া হয় যে মাধ্যমিক নার্সারিতে ৫-১০ শতাংশ চারা মরতে পারে।

সিসালের মূল জমি থেকে সাকার সংগ্রহ

➤ প্রাথমিক ও মাধ্যমিক নার্সারির মাধ্যমে বুলবিল থেকে সাকার তৈরী পাশাপাশি, আগে থেকে লাগানো সিসালের মূল পুরানো জমি থেকে সাকার সংগ্রহ করা যাবে। সাধারণত একটি সিসাল গাছ থেকে বছরে ২-৩ টি সাকার পাওয়া যায়। বর্ষার শুরুতে এইসব উপযুক্ত সাকার তুলে - সরাসরি নতুন মূল জমিতে লাগানো যাবে। সাকার লাগানোর আগে পুরানো শিকড় ছেঁটে ফেলেতে হবে ও শুকিয়ে যাওয়া পাতা ফেলে দিতে হবে। তবে খেয়াল রাখতে হবে যে শিকড় ছেঁটে ফেলার সময়, সাকারের গোড়ার অঞ্চল যেন ক্ষতিগ্রস্ত না হয়।



(ক) সিসাল পাতা কাটা, (খ) পাতা ছাড়ানো, (গ) প্রাথমিক নার্সারিতে অন্তরবর্তী পরিচর্যা, আগাছা নিয়ন্ত্রণ, (ঘ) জেরা রোগ নিয়ন্ত্রণের জন্য কপার অক্সিক্লোরাইড ২-৩ গ্রাম/ প্রতি লিটার জলে মিশিয়ে প্রয়োগ

नतुन सिसाल खेतेर परिचर्या

- एक-दुई बहर वयसेर सिसाल फ्लेते आगाछा नियन्त्रणेनर व्यवस्था करते हवे, याते सिसालेर जल ओ खादयेर जन्य आगाछार सङ्गे प्रतियोगिता कमे याय। जेव्रा रोगेर प्राथमिक लक्षण देखा गेले - कपार अक्लिकोराइड ३ ग्राम प्रति लिटारे वा म्यानकोजेव ७४ शतांश ओ मेटालाक्लि ८ शतांश मिश्रण २.५ ग्राम प्रति लिटार जले मिशिये प्रयोग करते हवे। सठिक बृद्धि ओ फलनेर जन्य हेक्टेर प्रति २ टन सिसाल कम्पोस्ट एवंग ७०:३०:७० किलो एन.पि.के. सार प्रयोग करते हवे। प्रथम बहर, सिसाल गाछेर चारधारे गोल करे सामान्य गर्त करे सार प्रयोग करते हवे।

मूल जमिते सिसाल लागाने

- पुराने मूलजमिर सिसाल थेके सरासरि तोला सिसाल साकार ओ माध्यमिक नार्सारि थेके पाओया सिसाल साकार व्यवहार करे सिसालेर नतुन मूल जमिते चारा लागते पारले भाले होय। माध्यमिक नार्सारिते वड़ करे साकार, पुराने पाता ओ शिकड़ हेँटे मूल जमिते लागते हवे। लागानेर आगे म्यानकोजेव ७४ शतांश ओ मेटालाक्लि ८ शतांश - २.५ ग्राम प्रति लिटार जले मिशिये २० मिनिटेर जन्य साकारेर शिकड़ अङ्गल धुये निते हवे। साकार पिटेर गर्तेर माखाने सूचाले काठिर साहाय्य निये लागते हवे।
- साकारेर आकार (साइज) ३० सेमि लम्बा, २५० ग्राम ओजन ओ ५७ टि पाता विशिष्ट हते हवे। ये सब साकारे रोग-पोकार वा अन्य कोनो प्रकार चापेर (खादयेर वा जलेर अभाव युक्त) लक्षण आछे, सेगुलि वद दिते हवे।
- सिसाल गाछेर द्रुत बृद्धिर जन्य हेक्टेर प्रति ५ टन सिसाल कम्पोस्ट, ७० केजि नाइट्रोजेन, ३० केजि फस्फेट, ७० केजि पाटाश दिते हवे। नाइट्रोजेन सार २ वारे दिते हवे - मोट परिमानेर अर्धेक वर्षा शुरु आगे, आर बाकि अर्धेक वर्षा चले यावार पर।
- ये सब चायिरा एखनो जमि निर्वाचन करेननि, तादेर जल ना दाँडाय एमन जमि निर्वाचन करते हवे याते कमपक्षे १५ सेमि गभीर माटि थाकते हवे। टालु जमिते सिसाल चायेर फ्लेते, पुरो जमि चाय देवार दरकार नैह।
- आगाछा, बोपवाड़ परिक्षार करे १ घन फुटेर पिट ३.५ मिटार — १ मिटार-१मिटार दूरे दूरे वानाते हवे, एते ४,५०० टि पिट हवे येखाने वर्षार शुरुते दुई सारि (डबल रो) पद्धतिते सिसाल लागते हवे। तवे प्रतिकूलपरिस्थितिते ३.० मिटार — १ मिटार-१मिटार दूरे दूरे पिट करे, प्रति हेक्टेर ५,००० टि साकार लागाने यावे।
- सिसालेर जन्य तैरी करा पिट, माटि ओ सिसाल कम्पोस्ट दिये भर्ति करते हवे, याते माटि बुरबुरे थाके। अन्न माटिर जमिते हेक्टेर प्रति २.५ टन हारे चून प्रयोग करते हवे। पिटेर गर्तेर मध्ये एमन भावे माटि पूर्ण करते हवे याते १-२ इण्डि ऊँचु हये थाके, एते सिसाल साकार सहजे दाँडाते पारवे।
- माटिर क्षय रोध करते, सिसाल साकार जमिर स्वाभाविक चालेर आडाआडि ओ समोमति रेखा बराबर लागते हवे। साकार सङ्ग्रह ४५ दिनेर मध्ये जमिते साकार लागाने सम्पूर्ण करते हवे। लागानेर परे हेक्टेर प्रति कमपक्षे १०० टि अतिरिक्त साकार आलादा करे राखते हवे, याते प्रयोजने कोनो कारणे खालि यये याओया जायगय आवार सिसाल चारा लागिये जमिते सिसाल चारार आदर्श संख्या बजाय राखा याय।
- पुराने मूलजमिर सिसाल थेके सरासरि तोला सिसाल साकारेर परिवर्ते, माध्यमिक नार्सारि थेके पाओया सिसाल साकार व्यवहार करे सिसालेर नतुन मूल जमिते चारा लागते पारले भाले होय।

सिसाल पाता काटा - सिसाल गाछेर वयस तिन बहर हले सिसाल पाता काटा शुरु करते हवे। प्रथमवार पाता काटार समय गाछे १७ टि पाता रेखे बाकि पातागुलि केटे फेलते हवे। द्वितीय बहर थेके गाछे १२ टि पाता रेखे बाकि पाता केटे नेओया यावे। बिकेलेर दिके सिसाल पाता काटते हवे एवंग चेष्टा करते हवे याते एकई दिने पाता थेके आँश छाड़ाने हये याय। पाता काटार परे, रोगेर हात थेके सिसाल बाँचाते, कपार अक्लिकोराइड २-३ ग्राम/प्रति लिटार जले मिशिये स्प्रे करते हवे।

अतिरिक्त आयेर जन्य सिसालेर सङ्गे अन्तर्वर्ती फसलेर चाय

- ❖ दुई सारि सिसालेर माखाने लागाने पेयारा ओ आम गाछेर गोडाय माटि दिते हवे, जीवनदायी सेच ओ रोग-पोका नियन्त्रणेनर व्यवस्था करते हवे। एकई भावे सिसालेर जमिते येखाने लेमन घास लागाने हयेछे, प्रत्येकवार घास काटार पर नाइट्रोजेन घटित सार ओ जल सेच दिते हवे।



सिसालेर जमिते अन्तर्वर्ती फसल (१) लेमन घास, (२) पेयारा, (३) आम

सिसाल भित्तिक सुसंहत खामार व्यवस्था

खरा प्रबन आदिवासी अधुषित अषधले सिसाल भित्तिक सुसंहत खामार व्यवस्था लाभजनकभावे करा येते पारे। एते चाषिर आय वाडवे, कर्मसंस्थान हवे ओ दीर्घमेयादि कृषि व्यवस्था पाओया यावे। एही व्यवस्थाय स्थानीय भावे पाओया विभिन्न धरनेर उँसके काजे लागिणे ओ फसलेर अवशिष्टांश व्यवहार करे - यथेष्ठ आयेर संस्थान हवे। एही सिसाल भित्तिक खामार व्यवस्थाय फसलेर पाशापाशि विभिन्न प्राणी पालनेर व्यवस्था रेखे एही सुसंहत खामार व्यवस्था अर्थनैतिक भावे सफल ओ सार्थक भावे रूपायित हते पारे।

- १। एही खामारे १०० टि विभिन्न जातेर मुरगि येमन - बनराजा, रेड रुस्टार, कडकनाथ पालन करे ८,०००-१०,००० टाका निट लाभ हते पारे।
- २। चाषिरा एही खामार व्यवस्थाय दुँटि गरू पालन करे प्रति बहर २५,००० टाका अतिरिक्त लाभ करते पारेन। सिसालेर सडे अश्वरवती फसल हिसावे गोखाद्य चाष, एही गरूर खाओयार जन्य योगान देओया यावे।
- ३। एही व्यवस्थाय १० टि हागल पालन करे प्रति बहर आरो १२,०००-१५,००० टाका अतिरिक्त आय हते पारे।
- ४। सिसालेर सडे दुँ सारिर माखाखाने ये उँचू जमिर धान (कादा ना करे शुधु चाष दिये) फलानो हवे, तार खड व्यवहार करे माशरुम चाषेर माध्यमे बहरे १२,००० टाका लाभ हते पारे।
- ५। सिसाल चाषेर बर्ज ओ माशरुम तैरीर बर्ज व्यवहार करे भार्मिकम्पोस्त तैरी करे व्यवहार करा यावे, एते माटिर स्वास्थ भालो थाकवे ओ बहरे १८,००० टाका अतिरिक्त लाभ हवे।
- ६। सिसाल साधारनत टालु ओ उँचू जमिने लागानो हय - तौ एही अवस्थाय वृष्टिर जल धरे लाभजनकभावे व्यवहार करा यावे। येहेतु एही अषधले एमनितेही अपेष्काकृत कम वृष्टि हय, तौ वृष्टिर जल धरार व्यवस्था करे - ए जल दिये अन्यान्य भावेओ आय वृद्धि हते पारे। एक हेक्टेर सिसालेर जमिर मात्र एक दशमांश एही जल धरार जन्य व्यवहृत हवे। एही जल धरार पुकुरेर माप हवे ७० मिटार-७० मिटार-१.८ मिटार, आर १.८ मिटार चओडा पाड हवे। एही पुकुरे जल धरे ये ये भावे व्यवहार करे लाभवान हओया यावे ता हलो -
 - सिसालेर सडे चाष करा अश्वरवती फसलेर संकटकालीन सेच एही पुकुरेर जल व्यवहार करे देओया यावे। एते एही सब फसलेर उँपदन ओ आय वाडवे।
 - एही जल व्यवहार करे सिसालेर आँश छाडानोर परे थोया यावे।
 - पुकुरेर पाडे विभिन्न उँचतार फसल येमन - पेपे, कला, नारकेल, सजने एवं अन्यान्य सज्जि चाष करे प्रति बहर १५,०००-२०,००० टाका आय हते पारे।
 - मिश्र माछ चाष पद्धतिने कातला, रुई, मृगेल चाष करे प्रति बहर १०,०००-१२,००० टाका आय हते पारे।
 - एही जले १०० टि हाँस पालन करे प्रति बहर प्राय ८००० टाका आतिरिक्त आय हते पारे।



उडिष्यार सखलपुर जेलार वामडाय सिसाल भित्तिक सुसंहत खामार व्यवस्था

रेमि



- এই সময় চাষিরা রেমির নতুন খेत শুরু করতে পারেন। পুরানো রেমির জমিতে - অসমান ভাবে বেড়ে ওঠা রেমি কাণ্ডগুলি সমান ভাবে কেটে ফেলতে হবে (স্টেজ ব্যাক), তারপর সার প্রয়োগ ও জলসেচ দিতে হবে।
- হাজারিকা (আর-১৪১১) জাতের ভালো গুণমানের রাইজোম বা কাণ্ড থেকে তৈরী চারা ব্যবহার করে রেমি মূল জমিতে লাগাতে হবে। লাগানোর আগে রাইজোম অন্তর্বাহী ছত্রাকনাশক (যেমন কার্বেন্ডাজিম) দ্বারা শোধন করতে হবে।
- রেমি লাইন বা সারি করে লাগাতে হবে। প্রতি হেক্টর জমির জন্য ৮ কুইন্টাল রেমি রাইজোম লাগবে, এবং কাণ্ড থেকে তৈরী চারা হলে ৫৫-৬০ হাজার টি চারা লাগবে।
- জমির মাটি ৩-৪ বার আড়াআড়ি ভাবে চাষ দিয়ে তৈরী করতে হবে। রেমি যেহেতু একদম জল দাঁড়ানো সহ্য করতে পারে না, তাই রেমির জমিতে অবশ্যই নিকাশি ব্যবস্থা তৈরী করে রাখতে হবে। ৪-৫ সেমি গভীর নালি তৈরী করে তার মধ্যে ৩০ সেমি দূরে দূরে ১০-১৫ সেমি লম্বা রাইজোম বা প্রমান সাইজের কাণ্ড থেকে তৈরী চারা লাগাতে হবে। সাধারণত সারি থেকে সারির দূরত্ব হবে ৭৫-৯০ সেমি। তবে রেমির যথেষ্ট বৃদ্ধির জন্য সারি থেকে সারির দূরত্ব হবে ১ মিটার রাখা যেতে পারে।
- দুই সারি রেমির মাঝখানের জায়গায় স্থানীয় চাষিদের পছন্দ অনুযায়ী অল্পদিনে ফলন দেয় এমন ফসল চাষ করা যেতে পারে। তবে অনেক ক্ষেত্রে রেমির সঙ্গে আনারস, পেঁপে, সুপারি ইত্যাদিও চাষ করা যায়।
- রেমি ফসলের সঠিক বৃদ্ধির জন্য ও মাটির স্বাস্থ্য বজায় রাখার জন্য অজৈব সারের সঙ্গে জৈব সার (খামার সার বা রেমি কম্পোস্ট) প্রয়োগ করার সুপারিশ করা হয়। লাগানোর ৪০-৫০ দিন পর নাইট্রোজেনঃ ফসফেটঃ পটাশ ২০ঃ১০ঃ১০ কিলো/ প্রতি হেক্টরে প্রয়োগ করার সুপারিশ করা হয়। এর পর, প্রত্যেক বার রেমি কাটার পর, হেক্টর প্রতি ৩০ঃ১৫ঃ১৫ কিলো, এনঃপিঃকে সার দিতে হবে। রেমি লাগানোর ১৫-২০ দিন আগে হেক্টর প্রতি ১০-১২ টন হারে খামার সার প্রয়োগ করতে পারলে ভালো হয়।
- পোকা-মাকড় ও রোগের আক্রমণের মাত্রানুসারে, যথাক্রমে, ০.০৪ শতাংশ ক্লোরপাইরিফস্ এবং ম্যানকোজেব্ ২.৫ মিলিলিটার প্রতি লিটার জলে বা প্রোপিকোনাজোল্ ১ মিলিলিটার প্রতি লিটার জলে মিশিয়ে স্প্রে করতে হবে।
- ঘাসজাতীয় আগাছা নিয়ন্ত্রণের জন্য, কুইজালোফপ্ ইথাইল্ (৫ শতাংশ) ৪০ গ্রাম (সক্রিয় মাত্রা) প্রতি হেক্টর জমির জন্য জলে মিশিয়ে স্প্রে করতে হবে।
- রেমি জল জমা সহ্য করতে পারে না। তাই জমি তৈরীর সময় জল নিকাশী নালী তৈরী করে রাখতে হবে এবং বেশি বৃষ্টির সময় অতিরিক্ত জল বের করে দিতে হবে।



রেমি প্ল্যান্টেশন



রেমি ফসল কাটা



রেমির আঁশ ছাড়ানো



রেমি কাটার পর জঙ্গল জিম চালিয়ে
আগাছা পরিষ্কার



বাছাই ক্ষমতাহীন রাসায়নিক
আগাছানাশক (নন-সিলেক্টিভ
হার্বিসাইড) প্রয়োগ



ছাড়ানো রেমি তন্তু (আঠা সহ)

जमिर स्वाभाविक स्थाने पाट पचानोर जल जल्लेर सफ़य एवंग दीर्घमेयादि परिवेशबाक्ख खामार व्यवस्था

- वृष्टि अनियमित वितरण, पाट पाचानोर जल उपयुक्त सर्वसाधारणेर पुकुरेर अभाव, माथाप्रति कम जल्लेर योगान, चाषेर खरच ओ कृषि श्रमिकेर मजुरि वृद्धि, पुकुर - नदी - नाला शुक्किये याओया इत्यादि विवेचना करे देखा याय, चाषिरा पाट ओ मेस्ता पचानोते असुविधार सम्बुधीन ह्छेहन। कम जल्ले एवंग सर्वसाधारणेर पुकुरेर मयला जल्ले क्रमागत पाट पचानोर फल्ले, पाटेर आँशेर मान खाराप ह्छे एवंग आन्तर्जातिक बाजारे प्रतियोगिताय टिके थाकते पारह्छे ना।

बर्षा आसार आगेह पाट पचानोर पुकुर तैरी सम्पूर्ण करते हबे

- पाट काटा ओ पचानोर मरशुमे जल्लेर अभाव दूर करार जल्ले - बर्षा शुरुआर आगेह जून मासे जमिर कोनार दिके स्वाभाविक निचू जायगाय एह पाट पचानोर पुकुर तैरी करते हबे, येथाने मोट वृष्टि बये याओया ७०-८० शतांश वृष्टि जल (या १२००-२००० मिलिमिटर मतो हय) जमा हबे ओ पाट एवंग पचानोर काजे लागबे। एर फल्ले पाट ओ मेस्ता चाषे चाषिदेर लाभ आरो बाडबे।

पुकुरेर माप एवंग एक एकर जमिर पाट पचानोर जल पचन पद्धति

- पुकुरेर आकार हबे ८० फुट लम्बा, ७० फुट चओडा ओ ५ फुट गभीर। एक एकर जमिर पाट वा मेस्ता एह पुकुरे दु'वार जाग देओया बाबे। पुकुरेर पाडू यथेष्ट चओडा (१.५-१.८ मिटर) हबे, याते पेँपे, कला ओ सज्जि लागानो याय। एह खामार प्रणालि/ व्यवस्था पुकुर ओ तार पाडू निये मोट आयतन १८० बर्ग मिटर हबे। चाषिरा यदि एह खामार प्रणालिते आरो बेशि परिमाने जमि व्यवहारे इच्छुक, ताहले पुकुरेर माप ५० फुट-७० फुट-५ फुट हते पारे।
- पुकुरेर भितरेर दिके १५०-३०० माइक्रनेर कृषिते व्यवहार योग्य पलिथिन दिये टेके दिते हबे याते पुकुरेर जल चुइये वा निचे चले गिये नष्ट ना हय।
- एकसङ्गे तिनटि जाक तैरी करते हबे एवंग एक एकटि जाके तिटि करे सुतर थाकबे। पुकुरेर तलार माटि थेके जाक २०-३० सेन्टिमिटर उपरे थाकबे एवंग जाकेर उपर २०-३० सेन्टिमिटर जल थाकबे।

जमितेह तैरी पचन पुकुरेर सुविधा

- प्रचलित पद्धतिते पचानोर स्फेत्रे पाट केटे पचानोर पुकुरे बये निये याओयार खरच एकर प्रति ८०००-५००० टाका एह पद्धतिते साश्रय हबे।
- प्रचलित पद्धतिते १८-२१ दिने पाट पचे; किन्तु एह नतून पद्धतिते एकरे १८ केजि क्राइजफ सोना व्यवहार करे १२-१५ दिने पाट पचे बाबे। द्वितीय बार पचानोर समय क्राइजफ सोना अर्धेक लागबे एवंग एते ८०० टाका खरच बाँचबे।
- पाट पचानोर जल वृष्टि नतून धरा जल व्यवहार करले वा ए समय वृष्टि हले - धीरे बये चला जल पाओया बाबे एवंग आँशेर गुनमान कमपक्के १-२ ग्रेड उन्नत हबे।

तैरी करा पुकुरे पाट ओ मेस्ता पचानो छाडाओ वृष्टि धरा जल आरो विभिन्न उपाये व्यवहार करा बाबे -

- १। विभिन्न उच्चतार वागिचा फसल व्यवहार माध्यमे पेँपे, कला, अन्यान्य सज्जि चाष करे प्रति ट्याक्के प्राय १०,०००-१२,००० टाका लाभ हबे।
- २। वायुते श्वास निते पारे एमन माछ येमन - तिलापिया, मागुर, शिंशि माछ चाष करे ५०-६० केजि माछ पाओया येते पारे।
- ३। एह व्यवस्था मोमाछि पालन करा बाबे (प्रति ट्याक्के लाभ ९,००० टाका) एवंग एते बीज उपादने परागमिलने सुविधा हबे।
- ४। माशरुम चाष, भार्मिकम्पोस्ट तैरी करे आय हते पारे।
- ५। एह पुकुरे प्राय ५० टि हाँस पालन करे ५,००० टाका अतिरिक्त आय हते पारे।
- ६। पाट पचानो जल, पाटेर सङ्गे फसलचक्रे लागानो सज्जि ओ अन्यान्य फसल्लेर सेचेर जल व्यवहार करा बाबे एवंग प्रति एकरे ८,००० टाका अतिरिक्त लाभ हते पारे।

सुतरां जमिते एह पद्धतिते पुकुर वानिये, मात्र १,०००-१,२०० टाकार पाटेर क्षति करे, चाषिरा अनेक धरनेर फसल फलिये, प्राणी-मत्स-मोमाछि पालन करे प्राय ३०,००० टाका आय करते पारेन। एछाडाओ एह पद्धतिते चाषेर फल्ले बहनेर खरच प्राय ८,०००-५,००० टाका बाँचबे। सेह सङ्गे एह प्रयुक्ति, चाषबासे चरम आवहाओयार - येमन खरा, बन्या, घुर्षिबाडू इत्यादिर क्षतिकर प्रभाव कम करते सम्भव।

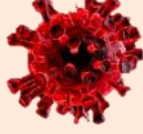
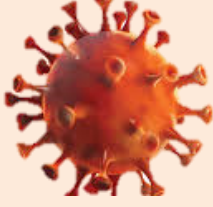


पाट ओ मेसुता चाषे जमिर स्वाभाविक स्थाने जलाधार भित्तिक परिवेशवाक्कव स्वनिर्भर खामार व्यवस्था

- ❖ पाट/ मेसुता पचानो
- ❖ माह चाष
- ❖ पाडे सज्जि चाष
- ❖ पुकुरेर धारे भार्मिकम्पोसुत तैरी

- ❖ हाँस पालन
- ❖ मोमाछि पालन
- ❖ फल वागिचा (पेँपे ओ कला)

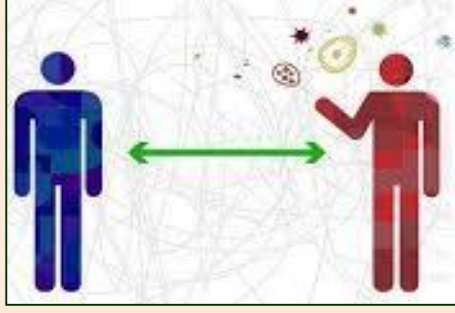
IV. कोरोना (COVID-19) भाईरसैर संक्रुमण छुडैये पड़ा ठैकाते ये ये निरापत्रामूलक ओ प्रतिरुोध व्यवस्था ग्रहन करते हबे एवं मेने चलते हबे



- 1। कुषकदेर चाषबासेर काजेर समय निरापत्रा व्यवस्था हिसाबे एक जनेर थेके आरेक जनेर सामाजिक दुरतु वजाय राखते हबे। चाषिा जमी चाष, बीज वपन, आगाछा नियत्रण, जलसेच देओया इत्यादि काजेर समय डाङ्गारि परामर्श मतो मुखुस (मास्क) परबेन, आर माबे माबे सावान-जल दिये हात धुवेन।
- 2। यखन एकई कुषि यत्रुपाति येमन - लाङ्गल, ट्राङ्कर, पाओयार टिलार, बीज वपन यत्रु, निडानि यत्रु, जलसेचेर पासुप अनेके मिले पर पर भागाभागी करे व्यवहार करबेन, तखन थेयाल राखते हबे अई यत्रुपातिगुलि येन सठिकभाबे परिस्कार करा हय। कुषि यत्रुपातिर ये ये अंश बार बार हात दिये स्पर्श करते हय, सेई अंशटा सावान जल दिये धुये निते हबे।
- 3। चाषेर काजेर फाँके अवसरेर समय, खावार खाओयार समय, बीज शेषानेर समय एवं सार नामानो वा तोलार समय - पर्याप्त सामाजिक दुरतु (कम पक्षे 3-8 फुट) वजाय राखते हबे।
- 4। यतोटा संभव, कुषि काजे परिचित लोकेदेरई काजे लागान। ভালोभाबे खौज खबर नियेई सेई मजुर काजे लागते हबे, याते कोनो कोरोना भाईरस बाहक कुषिकाजे आपनार अण्गले चले आसते ना पारे।
- 5। बीज ओ सार परिचित दोकान थेके किनबेन एवं दोकान थेके फिरे आसार परेई सावान जल दिये ভালोभाबे हात धुये नेबेन। बाजारे बीज, सार इत्यादि किनते यावार समय अवश्यई मुखुस (मास्क) परबेन।
- 6। कोभिड-19 भाईरस रोग संक्रांशु जरुपरि स्वास्थु परिसेवा विषये तथु जानार जन्य आपनार स्मार्ट मोबाईले 'आरोग्य सेतु' नामेर अण्णिकेशन सफुटुओयार व्यवहार करुन।



V. पाट कलेर (जूट मिल) कर्मचारिदर जन्य परामर्श



- पाट कल (जूट मिल) चालू राखार जन्य, पाट कलेर सीमानार मध्ये थाका कर्मचारिदर दिये छोटो छोटो ब्याचे, वारे वारे शिफ्ट करे काज चलाते हवे।
- पाट कलेर मध्ये आनेक जायगाय कलेर (जल) व्यवस्था करते हवे, याते कर्मचारिरी मावे मावे हात धुये निते पारैन। काज चलाकालीन अवस्थाय, कर्मचारिरी धूमपान करबेन ना।
- मिलेर शौचागार गुलि वार वार परिस्रार करते हवे, याते कर्मचारिरी रोगेर आक्रमणे ना पडेन।
- कर्मचारिदर, ग्लाउस, जूतो, मुख टाकार व्यवस्था एवं अन्यान्य सुरक्षार जन्य परामर्श दिते हवे।
- मिलेर मध्येई, काजेर जायगा वार वार बदल करा येते पारे, याते कर्मचारिदर मध्ये पारामर्श मतो सामाजिक दूरत बजाय थाके।
- ये सम कर्मचारिदर यन्त्रपातिर (मेशिनर) अनेर स्थाने वार वार हात दिते हय, तादर जन्य आलादा भावे हात धोयार वा स्यानिटाईज करार व्यवस्था राखते हवे। एछाड़ा मेशिनर ओई जायगागुलो वार वार सावान जल दिये परिस्रार करते हवे।
- वयस्क कर्मचारिदर अपेक्षकृत फाँका वा भिड़ कम जायगाय काज दिते हवे, याते तादर भाईरासेर संक्रमण ना हय।
- मिलेर कर्मचारिरी टिफिनर समय वा अवसरेर समय भिड़ करे एक जायगाय आसबेन ना एवं ७-८ फुट दूरत बजाय रेखेई हात धोबेन।
- यदि कोनो मिल कर्मचारिरी ई धरनेर शारीरिक समस्या देखा यय, तवे तिनी अबिलखे मिलेर डाक्टर वा मिल मालिकेर सडे योगायोग करबेन।



आपनादर सबाईके सुस्थ्य ओ निरापद थाकार जन्य शुभेच्छा जानाई

धारणा ओ प्रकाशनाः

डः गौराङ्ग कर,

निर्देशक,

भा.कृ.अ.प - त्रिन्जाफ,

नीलगण्ज, ब्यारकपुर,

कोलकाता-९००१२१, पश्चिमबङ्ग

Acknowledgement: The Institute acknowledges the contribution of Chairman and Members of the Committee of Agro-advisory Services of ICAR-CRIJAF; Heads/ Incharges of Crop Production, Crop Improvement and Crop Protection division, In-charges of AINPNF and Extension section of ICAR-CRIJAF and other contributors of their division/section; In-charges of Regional Research Stations of ICAR-CRIJAF and their team; In-charge AKMU of ICAR-CRIJAF and his team for preparing this Agro-advisory.

[Issue No: 04/2022 (20 February – 6 March, 2022)]